पिट्स

आर.एन.आई. ३८१३९/८१

www.pits.co.in

वर्ष २९ अंक-३५ सोमवार, २० अप्रैल २००९ पृष्ठ १६ मूल्य दो रुपये

इंदौर, मुंबई से एक साथ प्रकाशित

बेलने पड़े पापड़

बड़ी-बड़ी बातें करने में इनका कोई मुकाबला नहीं। लेकिन इस बार पटना साहिब संसदीय क्षेत्र से टिकट लेने के लिए इन्हें पापड़ तक बेलने पड़े। हालात तो यहां तक पहुंच गए थे कि कभी भाजपा की तरफ से बड़ी-बड़ी डींगें हांकने वाले अभिनेता से नेता बने शत्रुघ्न सिन्हा समाजवादी पार्टी के अमर सिंह के चरणों में तक बैठने के लिए तैयार हो गए थे। खबरों के अनुसार इस बाबत उनकी अमर सिंह से गुप्त मुलाकात भी हुई थी। बिहार के पटना साहिब से टिकट के प्रबल दावेदार तो पूर्व सूचना एवं प्रसारण मंत्री एवं भाजपा प्रवक्ता रविशंकर प्रसाद थे लेकिन शत्रुघ्न को पार्टी से खिसकता देख भाजपा को उन्हें ही टिकट देनी पड़ गई। अब देखना यह है कि ये साहब आगे क्या करामात दिखा पाते हैं।

राहुल बनेंगे प्रधानमंत्री ?

(पिट्स ब्यूरो)

घोषित तौर पर भले ही कांग्रेस के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह हो मगर आम कांग्रेसी की निगाह में भावी प्रधानमंत्री राहुल गांधी ही हैं. नेहरू गांधी खानदान के इस चिराग ने कांग्रेस में इसी रूतबे से काम करना भी शुरू कर दिया है. कांग्रेस के देश भर के प्रत्याशी चाहते हैं कि राहुल गांधी से उनकी नजदीकी हो और इसी लिहाज से वे उन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्र में बुलाना भी चाहते हैं. राहुल भी हैं कि वे कश्मीर से कन्याकुमारी और कच्छ से कटक तक कहीं रोड शो, कहीं सभा तो कहीं दलितों के घर पहुंच कर कांग्रेस के लिये वोट मांग रहे हैं. जहां भी वे जाते हैं, लोग उन्हें देखने सुनने के लिये भारी संख्या में जुट भी रहे हैं. इससे लगता है कि कांग्रेस की ओर से वे ही भावी प्रधानमंत्री की ओर बढ़ रहे हैं.

कांग्रेस से जुड़े देशभर के युवा राहुल गांधी में भविष्य की संभावना देख रहे हैं.जहां कहीं राहुल जा रहे हैं वे युवाओं को सर्वाधिक प्रभावित कर रहे हैं. विपक्ष के पास राहुल का कोई तोड़ या विकल्प नहीं है. भाजपा भले ही बूढ़ी कांग्रेस की रट लगाये मगर उसका नेतृत्व आज भी 80 साल के आडवाणी कर रहे हैं. दूसरी पंक्ति के उसके नेता नरेन्द्र मोदी, अरूण जेटली, राजनाथ सिंह सुषमा स्वराज आदि भी साठ पार कर चुके हैं या उसके नजदीक है. राहुल के मुकाबले के लिये ऐसा कोई चेहरा नहीं होने से उसे मुकाबले के लिये उसी गांधी परिवार के पास ही जाना पड़ा जिसके वशंज राहुल गांधी है. इंदिरा फिरोज गांधी के दूसरे बेटे संजय -मेनका गांधी की संतान वरूण गांधी से भड़काऊ भाषण दिलाकर भाजपा ने वरूण को राहुल के मुकाबले उतारने की भले ही कोशिश की हो मगर उनकी हालत सिर मुडाते ही ओले पड़ने की कहावत चरितार्थ कर रही है.

शेष पेज 16 पर .....

जारी है मारामारी

चुनावी सरगर्मियां अंतिम दौर में हैं। मध्यप्रदेश में जहां अंदरूनी तौर पर कई चीजें फिक्स मानी जा रही हैं। वहीं राजस्थान में हालात अब भी गंभीर है। टिकटों के बंटवारे में हुई देरी समस्या का कारण बन सकती है। विधानसभा में धराशायी होने के बाद भी भाजपा के बल नहीं निकले हैं। अब तक टिकटों के लिए हुए मारामारी को सुलझाने में समय नष्ट हो रहा है। विधानसभा चुनावों में भी 25 से ज्यादा सीटों पर उठा-पटक अंतिम दौर तक होती रही थी। इसलिए गले में फूलों के हार के बजाय शर्मिंदगी की माला रही।

देशभर के हालात इस चुनाव में जूतमपैजार से ही चल रहे हैं। पश्चिम संस्कृति से प्रेरणा लेने के बाद नेताओं

✍ उत्तम झंवर

पर जूते फेंकने का दौर जारी है। पार्टी के साथ आम लोग भी जूते खरीदने जाते हैं तो दुकानदार दो बार निहार कर देखता है। कारण उसका अपना खास है कि शायद उसका जूता या खड़ाऊं भी फेमस हो जाए। उसके भी स्मारक बन जाएं। वो दिन दूर नहीं कि अगले चुनावों में शराब की दुकानों के साथ जूतों की दुकानों पर भी प्रशासन की पैनी नजर रहेगी। संदिग्ध दिखने वाले लोगो को जूते की दुकानों के पास देखते ही गिरफ्तार करने के आदेश होंगे।

इस दौरान हो रही बयानबाजियां भी कुछ कम नहीं है। कई प्रदेशों में पिछले लोकसभा चुनावों जैसी पुनरावृत्ति रोकने की कवायदें जारी हैं। पश्चिम बंगाल में 'लालदुर्ग' के साथ सिंगूर, नंदीग्राम और लालगढ़ के साथ उत्तरबंग और गोरखालैंड के सवाल भी मुंह बाए खड़े हैं। बंगाल में चुनाव हमेशा राजनीतिक बहसों के इर्दगिर्द ही होते हैं। इसमें भद्र पुरूषों की भूमिका प्रमुख होती है। ग्रामीण मतदाताओं वहां बिलकुल भी सत्ताविरोधी नहीं माने जा सकते हैं। पंचायत चुनावों और उपचुनावों के बाद दुर्ग को हिलाने और गिराने का अंतर सामने आ गया है। इस बार यहां कांग्रेस और तृणमूल का समझौता हावी हो रहा है वहीं वामफ्रंट के वोटों में भी बढ़ी मात्रा में सेंध लगेगी। भीतराघात के नुकसान का अनुमान लगाना कठिन है। तुरंत जूता उठा लेने वाले लोग मतदान का सही प्रयोग करेंगे तो ही चुनाव खत्म होने के बाद बिजली-पानी के साथ आर्थिक स्थिति जस की तस रह सकेगी।

हां, एक नया त्योहार शुरू हो चुका है- आप सभी को आईपीएल मुबारक।

अब आडवाणी पर खड़ाऊं

भोपाल । जार्ज डब्ल्यू बुश से लेकर आडवाणी तक। पहले जूता चला, फिर चप्पल चली उसके बाद नम्बर खड़ाऊं का आ गया। मध्यप्रदेश के कटनी में भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी की ओर खड़ाऊं फेंकने की जो घटना हुई है उससे सभी को सबक लेना होगा। कोई कह रहा है कि खड़ाऊ भाजपा के ही कार्यकर्ता ने फेंकी है। किसी का कहना है कि वह अब भाजपा में नहीं है। लेकिन जो कुछ हुआ वह बुरा हुआ और इस तरह की प्रवृत्तियों को सख्ती से रोकने और ऐसा करने वालों को हतोत्साहित किए जाने की आवश्यकता महसूस हुई है। वास्तव में ऐसे अमर्यादित आचरण के लिए सभ्य समाज में कोई जगह नहीं है। अतः दोषियों का बचाव करने अथवा उन्हें संरक्षण देने वालों को समझ लेना चाहिए कि उनके साथ भी ऐसा ही कुछ हो सकता है। याद करें अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जार्ज डब्ल्यू बुश की इराक यात्रा को। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान बुश की ओर एक पत्रकार ने जूता फेंका था। इस अप्रत्याशित घटना से सभ्य समाज हक्का बक्का रह गया। लेकिन उस पत्रकार को इराक में ही ऐसे लोगों का समर्थन मिला जो अमेरिका और बुश से नाराज थे।

शेष पेज 16 पर .....

धार । मध्यप्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती रंजना बघेल ने महिलाओं के विकास के लिए कुछ किया हो या न किया हो, एक महिला को थप्पड़ जरूर जड़ दिया। गुस्साए ग्रामीणों ने मनावर थाने का घेराव किया और एक शिकायत पत्र सौंपा। रिपोर्ट दर्ज करने का आश्वासन मिलने के बाद ही ग्रामीण शांत हुए। क्षेत्र के ग्रामीणों ने सर्वसम्मत से रंजना के गहरी नाराजी है. रंजना के पति मुकाम सिंह कराड़ धार से भाजपा के प्रत्याशी है। उन्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है. रंजना के खिलाफ धारा 294 एवं 506 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मंत्री रंजना ने महिला को थप्पड़ जड़ा

घटना ग्राम पलासी की है। रंजना चुनाव प्रचार करने पलासी पहुंची थी। तभी उन्होंने गांव की एक महिला को इस बात पर थप्पड़ मार दिया, जब उन्होंने गांव की समस्या बताई। रंजना के इस व्यवहार की खबर गांव में जैसे ही फैली, तनाव व्याप्त हो गया। कांग्रेस, भाजपा सहित पूरे ग्रामीणों ने उनके खिलाफ एक शिकायती पत्र लेकर मनावर थाने का घेराव कर दिया। मनावर थाना क्षेत्र के चार-पांच गांवों के मतदाताओं ने सर्वसम्मति से भाजपा को वोट नहीं देने का निर्णय लिया। भाजपा कार्यकर्ता भी रंजना के पति को वोट नहीं देंगे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला भाजपा के वरिष्ठ नेता ग्रामीणों को मनाने में लगे हुए हैं। वे रंजना को गांव में बुलाने एवं महिला से माफी मांगने की मांगकर रहे हैं मनावर के भाजपा कार्यकर्ता भी ग्रामीणों के साथ है और उन्होंने प्रचार प्रसार बंद कर दिया है।